प्रदेश को केवल 98.9 करोड़ रूपए की अपने प्राकृतिक आपदा कोष से मदद की है । राज्य सरकार की ओर सब बाढ़ की स्थिति और उससे हुए नुकसान का प्राथमिक आकलन करके प्रधान मंत्री जी को एक ज्ञापन सौंपा गयाहै और अभी मध्य प्रदेश के सभी सांसदों ने माननीय प्रधान मंत्री जी से ज्ञापन के माध्यम से पुनः आग्रह किया है,लेकिन उसके बाद मध्य प्रदेश की स्थिति और बिगड़ी है । अतः ज्ञापन के माध्यम से जो राशि मांगी गई है,वह राहत कार्यो के लिए बहुत कम पड़ रही है ।

इसलिए हमारी मांग है कि इस त्रासदी को देखते हुए केन्द्र सरकार तत्काल 1000 करोड़ की प्रारम्भिक राशि राज्य सरकार को प्रदान करे तथा केन्द्रीय दल के आकलन के पश्चात अतिरिक्त राशि वहां रिलीज़ की जाए,ताकि वहां पर सुविधा और सांधनों का अभाव न हो और राहत कार्य शुरू किया जा सके । सर,अभी तक वहां पर आकलन के लिए टीम नहीं पहुंची है,केन्द्र सरकार की ओर से टीम भी जल्दी भेजी जाए ।

श्री सभापति: बहुत-बहुत धन्यवाद आपका । श्री के.बी.शणप्पा ।

श्री के.बी.शणप्पा(कर्णाटक): सभापति जी,मैडम ने जो कुछ बोला है,मैं उसको ऐसोसिएट करता हूं ।

Flood situation in the State of Rajasthan

डा.प्रभा ठाकुर (राजस्थान): सभापति जी,बाढ़ की चपेट में जिस तरह महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,गुजरात आए,उसी तरह इस बार राजस्थान के भी कई क्षेत्र, अंचल बाढ़ की चपेट में आए,कई लोगों की मौतें भी हुई । सरकार और प्रशासन समय पर चेतते और समय पर बांध के दरवाजे खोले जाते,तो हो सकता है कि बाढ़ का इतना भंयकर तांडव होने और कई लोगों की जानें जाने से बचा जा सकता था । महोदय,इसमेंएक बहुत ही दुखद त्रासदी की ओर मैं आपके माध्यम से इस सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि फालना में जोधपुर के निकट ऐसी भीषण त्रासदी को पूरे हिन्दुस्तान ने देखा है कि एक ही परिवार के पांच सदस्य उस बाढ़ में बह गए,उनकी गाड़ी उस बाढ़ के पानी में फंस गई । पांच लोग 11 घंटे तक उस जगह पर खड़े रहे और माननीय मंत्री,† वहीं खड़ रहे,फोन पर न जाने किस-किस से बात करते रहे,11 घंटे वे लोग वहीं पानी में खड़े रहें,उन्हें बचाया नहीं जा सका । पानी में वे बह गए । ...(**व्यवधान**)...सर,यह किस तरह का प्रशासन है,कैसी सरकार वहां चल रही है? ...(**व्यवधान**)...महोदय,यह बहुत ही ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल(राजस्थान): सर,यह बिल्कुल गलत है ।...(**व्यवधान**)...यह गलत है ।...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज(मध्य प्रदेश): यह बिल्कुल गलत बात है ।...(**व्यवधान**)...सर,स्थिति इससे बिल्कुल अलग है और किसी चीज़ को जाने बिना ...(**व्यवधान**)... ...(**व्यवधान**)...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति: पहले उन्हें बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...उनके बोलने के बाद ही आप बोलए ...(**व्यवधान**)...पहले वह बोल लें,उसके बाद आप बोल लेना ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर :ग्यारह घंटे वे वहां पर खड़े रहे ...(**व्यवधान**)...

श्री मती सुषमा स्वराज: सर,मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ...(**व्यवधान**)...मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट ठहर जाइए,इनका प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherty) : Sir, there is no point of order during Zero Hour. *...(Interruptions)...*

श्री मती सुषमा स्वराज: सर,मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर : मुझे बोलने क्यों नहीं दिया जा रहा है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नारायणसामी जी,इनका एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है,आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...मैं आपकी बात भी सुनूंगा,आप चिंता मत कीजिए ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर: सर,मैं सदन को यह बताना चाहती हूं,आपने भी यह देखा होगा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट,आप बैठ जाइए,इन्होंने एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाया है ।

श्री मती सुषमा स्वराज: सभापति जी,मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । डा.प्रभा ठाकुर ने बोलते हुए †का नाम लिया है,लेकिन † इस सदन के सदस्य नहीं है । वह स्वयं को डिफैंड नहीं कर सकते है। हमारे नियम यह कहते है कि जो लोग इस सदन में नहीं है,उनके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाया जा सकता है । यह उनके ऊपर आरोप है,इसलिए उनका नाम काट दिया जाए,यही मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है ...(**व्यवधान**)...।

डा.प्रभा ठाकुर: ग्यारह घंटे तक वे वहीं पर खड़े रहे ...(**व्यवधान**)...सर,इस बात पर क्या प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाया जा रहा है,यह तो संवेदनशीलता का सवाल है और मेरे ख्याल में सारे सदन को इससे सहानुभूति होगी ...(**व्यवधान**)...महोदय,इससे भीषण त्रासदी और क्या हो सकती है कि उन्हें ग्यारह घंटे का समय मिला था ...(**व्यवधान**)...यह नज़ारा सबने देखा,दूरदर्शन पर यह नज़ारा दिखाया गया कि मंत्री जी वहां खड़े हुए हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मत्री जी वहां पर नहीं थे ...(**व्यवधान**)...मैं आपको यह बता रहा हूं,मंत्री जी वहां पर नहीं थे ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर: सर,मंत्री जी वहां पर थे,सारे अखबारों में यह दिखाया गया है ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति: मंत्री जी आखिर में वहां पर पहुंचे थे,यह बात उनको मालूम है ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर: सभी समाचार पत्रों में यह आया है ...(**व्यवधान**)...सभी न्यूज़ चैनल्स पर यह दिखाया गया ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप समाचार पत्रों को छोड़िए,आप मंत्री जी का नाम मत लीजिए ...(**व्यवधान**)...यह गलत बात है ...(**व्यवधान**)...

डा.प्रभा ठाकुर: न्यूज चैनल्स पर भी यह बताया गया ...(**व्यवधान**)...महोदय,इसके लिए केन्द्रीय सरकार के द्वारा राजस्थान को मदद दी जानी चाहिए,ताकि वहां पर बाढ़ पीड़ितों तक मदद पहुंचे । इसी तरह गुजरात में उकाई बांध के जो गेट थे ...(**व्यवधान**)...अगर उकाई बांध के गेटों को समय पर खोल दिया जाता तो पानी निकल जाता और सूरत नहीं डूबता । गुजरात में जिस तरह से सूरत डूबा है,उसमें भी प्रशासन की लापरवाही का बड़ा भारी योगदान है । जब महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में इतनी बारिश हो रही थी तो गुजरात सरकर के द्वारा वहां पर व्यवस्था क्यों नहीं की गई ?

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, I associate myself with it. *...{Interruptions)...*

श्री सभापति: होम मिनिस्टर साहब को बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

डा.मुरली मनोहर जोशी(उत्तर प्रदेश)**:** सर,यहां पर तथ्यों के विपरीत बात की जा रही है,इससे सदन की कार्यवाही में ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल: सर,यह आपकी कॉन्स्टीट्यूएंसी का सवाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: यह मेरी कॉन्स्टीट्यूएंसी का सवाल है तो मैं ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...आप बैठिए,बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल: सर,मैं आपसे एक निवेदन करना चाहूंगा कि जो बात वह कह रही है,मैं उसका स्पष्टीकरण देना चाहता हूं,क्योंकि वहां पर हमारी सरकार है । वहां पर जो बाढ़ आई है,उसके प्रति सहानुभूति होने के बावजूद भी सरकार के द्वारा जो प्रयास किया गया था,वह अतुलनीय प्रयास था । सरकार जो भी अधिकतम से अधिकतम कर सकती थी,वह प्रयास वहां पर किया गया था ...(**व्यवधान**)...वहां पर हैलीकॉप्टर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है,ठीक है,आप बैठ जाइए,होम मिनिस्टर साहब को बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...Please take your seat. ….(Interruptions)… Please take your seat …(Interruptions)… इनको बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...आप इन्हें बोलने क्यों नहीं देते हैं,आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...मुझे मालूम है,आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...

प्रो.अलका क्षत्रिरू:*

---

* Not recorded.

डा.प्रभा ठाकुर:*

श्री रामदास अग्रवाल:*

श्री सभापति: मुझे यही कहना पड़ेगा कि Nothing will go on record.(Interruptions)... आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...आप मेरी बात सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)...पहले होम मिनिस्टर की सुन लीजिए,होम मिनिस्टर साहब आप बोलिए ...(**व्यवधान**)...होम मिनिस्टर के सिवाय कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगए ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइए,कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)...पहले उन्हें बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...पहले होम मिनिस्टर बोलेंगे,बाकी कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है ...(**व्यवधान**)...।

श्री मती वृंदा कारत:*

श्री रूद्रनारायण पाणि:*

श्री सभापति: वृंदा जी,आप बैठ जाइए,पाणि जी,बैठ जाइए ।...(**व्यवधान**)...आप भी बैठ जाइए । कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा ।...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है ।...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइए ।...(**व्यवधान**)...आप बैठिए-बैठिए । ...(**व्यवधान**)...आप बोलिए,आप शुरू करें ।...(**व्यवधान**)...मैं एक मिनट भी एलाउ नहीं करूगा,आप माफ करें ।...(**व्यवधान**)...

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी.पाटिल) : श्रीमन् बहुत सारे माननीय सदस्यों ने अपने-अपने राज्यों में वर्षो की वजह से तो तकलीफ हो रही है उसके संबंध में ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please don't disturb ...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज वी.पाटिल: श्रीमन्,इसके बारे में उन्होंने अपने विचार यहां पर प्रगट किए हैं और हम समझ सकते है कि वहां पर जो लोगों को तकलीफ हो रही है,उस तकलीफ को सदस्यों ने सदन के अंदर उपस्थित किया है ।मध्य प्रदेश का प्रश्न है,राजस्थान का है,महाराष्ट्र का है,कर्णाटक का है और आंध्र प्रदेश का है और दूसरे प्रदेशों के भी है और वह बिल्कुल सही बात है । उसके संबंध में मैं यह बताना चाहूंगा कि आंध्र प्रदेश में,महाराष्ट्र में और गुजरात में तो खुद प्रधान मंत्री जी गए थे,मैं भी उनके साथ गया था और उसके बाद दूसरे जो प्रांत हैं,छत्तीसगढ़ में हमारे एक साथी गए है और मध्य प्रदेश के जो मुख्य मंत्री है,वे यहां पर आए थे,उन्होंने मेरे साथ मुलाकात की और प्रधान मंत्री जी से भी मुलाकात की । राजस्थान का जो प्रश्न है वह भी हम सब लोगों के सामने है और सारे तरफ यह जो तकलीफ हो रही है उसको मदद करने की अपनी सारी जिम्मेदारी है,उस जिम्मेदारी को हम जरूर निभांएगे । ...(**व्यवधान**)...कर्णाटक के मुख्य मंत्री से भी मेरी मुलाकात हुई है । वहां पर भी हमने मदद भेजी है ।

श्रीमती वृंदा कारत: *

---

* Not recorded.

श्री सभापति: एक मिनट,मेरी सुन लीजिए । अभी महाराष्ट्र के एक सदस्य है यहां,जो कृषि मंत्री हैं । वह जवाब दे देंगे,तब उस समय आप पूछ लेना। ...(**व्यवधान**)...नहीं,इनसे नहीं ।

श्री शिवराज वी.पाटिल: मैं बताऊंगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वे महाराष्ट्र के बैठे हैं,जवाब दे देंगे आपको ...(**व्यवधान**)...आप डिस्टर्ब करेंगे तो कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है ।...(**व्यवधान**)...अब वह ठीक है ।

श्री शिवराज वी.पाटिल: श्रीमन्,मैं इनके बारे में भी बता दूंगा क्योंकि जनरली जब भी वर्षा होती है तो हम सारे मिलकर दो घंटे,तीन घंटे,चार घंटे चर्चा करते है,यह ऐन वक्त पर उठाया गया विषय है । इस संबंध में भी मैं आपको बताऊंगा । सुनने के बाद अगरआपका समाधान न हो तो फिर अगर चर्चा करनी है तो हम यहां पर जरूर कर सकते है । हमारे कृषि मंत्री साहब ने महाराष्ट्र के लिए जितना अनाज मांगा था,उतना दिया है और भी कुछ देने की जरूरत होगी तो देंगे,लेकिन अनाज का बंटवारा करने का काम स्टेट गवर्नमेंट को,वहां की हालत देखकर करना है । अनाज के बारे में भी कोई कमी नहीं होगी,पैसा देना है तो हम भी दे सकते है । मैं बताना चाहूंगा कि सरकार की तरफ से मांग आने से पहले जितनी भी रकम उकनो देनी चाहिए थी,ऐसे मामलों में मदद करने के लिए,सरकार ने निर्णय लेकर पहले ही उनको पैसा दिया है । महाराष्ट्र की सरकार को चार सौ करोड़ रूपया दिया है,गुजरात सरकार को पांच सौ करोड़ रूपया दिया है,आंध प्रदेश को चार सौ करोड़ रूपया दिया है और दूसरे प्रांतों से जो मांगे थी,किसी को सौ करोड़,किसी को ज्यादा और कम पैसा दिया है । पैसे का इंतजाम हम कर सकते है । मैं सदन के मालूमाम के लिए कहूंगा कि गए दो साल से ऐसे मौके पर सरकार की ओर से जितने पैसे की मदद हुई है पहले कभी भी नहीं हुई है और उसके आंकड़े देना है तो मैं दे दूंगा । जब भी ऐसी हालत हुई तो दस करोड़,बीस करोड़ दिया है । मगर इस सरकार ने देखा है कि आपदा के समय लोगों को मदद करने की जिम्मेदारी पूरे समाज की और पूरी सरकार की है,यह समझकर चार-चार सौ करोड़ रूपया,हजार-हजार करोड़ रूपय पहले ही दे दिया है । फिर उनको बताया गयाहै कि इसके बाद भी अगर आपको तकलीफ है,तो एक प्लान बनाकर सरकार के पास भेज दीजिएगा । यह प्लान हम प्लानिंग कमीशन में देख लेंगे और हमारी जो नई अथारिटी बनी है, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी, उसको दिखाकर,उसको अगर ज्यादा पैसा देना है,तो दे देंगे । इसके बाद भी सारी बारीकियों में दो मिनट के अंदर जाना मुश्किल है,अगर आपके मन में कोई बात है,अगर आप लिखित रूप में दे देंगे,तो हम स्टेट मिनिस्टर को कह कर ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार: सर, ...(**व्यवधान**)...

SHRI SU. THIRUNAVUKKARASAR (Madhya Pradesh) : What is the demand from Madhya Pradesh? *...interruptions)...*

श्री सभापति: एक मिनट ठहर जाइये ।आप बीच में डिस्टर्ब मत करिए ।...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी.पाटिल: उनको उसके बारे में कार्यवाही करने के लिए जरूरत कहेंगे ।...(**व्यवधान**)..

श्री सभापति: श्री शरद पवार । ...(**व्यवधान**)...इसी पर बोल रहे है । ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार : सर । **:***

श्री सभापति: मैं अलाउ नहीं कर रहा हूं । ...(**व्यवधान**)...मैं किसी को अलाउ नहीं कर रहा हूं,पहले इस विषय पर श्री शरद पवार बोलेंगे । आप बैठ जाइये । ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी.पाटिल: सर,मेरी यह रिक्वेस्ट है कि पहले डिमांड 20 करोड़,50 करोड़ की देते थे,आज पांच-पांच सौ करोड़ की डिमांड दे रहे है और डिमांड 25 हजार करोड़ की आ रही है,पांच हजार करोड़ की आ रही है,ऐसी डिमांड मानी भी नहीं जा सकती । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री शरद पवार । ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइये । उनको बोलने दिजिए । ...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा,शरद पवार के अलावा । ...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा । ...(**व्यवधान**)...

SHRI V NARAYANASAMY: *

श्री सभापति: आप उनको बोलने दीजिए । आप मिनिस्टर को बोलने नहीं देते है । ...(**व्यवधान**)...श्री शरद पवार जी,आप बोलिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार :*

श्री सभापति: आप बैठ जाइये । आप डिस्टर्ब मत करिए । ...(**व्यवधान**)...माननीय सदस्य ...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा । ...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा ।...(**व्यवधान**)...आप बोलिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार:*

श्री शाहिद सिद्दिकी: *

श्री सभापति: अभी पहले मंत्री जी का भाषण सुन लीजिए । ...(**व्यवधान**)...बस ठीक है,आप एसोशिएट करें । ...(**व्यवधान**)...प्लीज टेक योर सीट । ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार:*

श्री सभापति: माननीय सदस्य,साफ सुन लें । ...(**व्यवधान**)...

श्री मती वृंदा कारत:*

श्री सभापति: वृंदा जी,मैं एक बात कह दूं,सब क्वेश्चन्स का जवाब एक साथ है । ...(**व्यवधान**)...वह बोल रहे हैं । ...(**व्यवधान**)...जिस समय श्री शरद पवार ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह: *

---

* Not recorded.

श्री सभापति: सारा अकाल पड़ गया । ...(**व्यवधान**)...हो गया । अब हो गया । ...(**व्यवधान**)...आप बोलिए ।...(**व्यवधान**)...आप बोलने दीजिए ।...(**व्यवधान**)...वह बोल देंगे । ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइये । ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी.पाटिल : सर,बाढ़ का विषय हो या सूखे का विषय हो । सभी तरफ हम लोग ऐसी दृष्टि से देखेंगे कि वहां के लोगों की मदद हो जाये । ...(**व्यवधान**)...अगर वहां पर टीम भेजनी है,तो टीम भी भेज देंगे । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री अमर सिंह जी की तरफ भी देख लीजिएगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी.पाटिल: उनकी तरफ से जो डिमांड आएगी, उसको भी हम एक्जामिन कर लेंगे । ...(**व्यवधान**)...

डा.मुरली मनोहर जोशी:*

श्री सभापति: आप उनको बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)...वह बाढ़ के विषय में बोल रहे है ।

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD PAWAR): Sir, when we got information about these floods, I myself personally contacted the Chief Ministers of Gujarat, Rajasthan, Madhya Pradesh, Karnataka, Andhra Pradesh and Maharashtra. I requested them that whatever their requirement of foodgrains is, please communicate to us. They have sent their proposal, and each and every proposal has been approved; communication has been sent and foods have been made available to the States.

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: माननीय सभापति महोदय*

श्री सभापति: मैं आपको अलाउ नहीं कर रहा हूं । ...(**व्यवधान**)...आप बैठ जाइये । कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा,आप बोलते रहिए ।...(**व्यवधान**)...कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा ।...(**व्यवधान**)...वह आ रहे है ।...(**व्यवधान**)...वह दोबारा आ रहे है । ...(**व्यवधान**)...मैं आपको अलाउ नहीं कर रहा हूं ।

MR. CHAIRMAN: Next, Shri Tapan Kumar Sen on NHPC. But mind it, your time is only five minutes.

. * Not recorded.